



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पार्ट 3—उप-उप-उप (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 644] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 1, 1991/कार्तिक 10, 1913

No. 644] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 1, 1991/KARTIKA 10, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कल्याण मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1991

का.प्रा. 748(अ) :—केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के तत्कालीन विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग) की प्रधिसूचना मंत्र्याका.प्रा. 247, नारीय 30 विसंवर, 1973 जो भारत के राजपत्र, भाग-2, उप-उप-उप-उप (ii), नारीय 17 जनवरी, 1976 में प्रकाशित थी, के साथ पठित वरक्फ प्रधिनियम, 1954 (1954 का 29) (जिसे इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा-64, की उपधारा-(3) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब वरक्फ बोर्ड के प्रतिष्ठित रहने की प्रवर्ति को जो भारत सरकार के तत्कालीन विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग) की प्रधिसूचना में

का.प्रा. 796(अ), तारीख 11 नवंबर, 1981, संख्या-का.प्रा. 68(अ), तारीख 9 फरवरी, 1982 और संख्या-का.प्रा. 105(अ), तारीख 9 फरवरी, 1983 संख्या-का.प्रा. 64(अ), तारीख 2 फरवरी, 1984 और संख्या-का.प्रा. 95(अ), तारीख 5 फरवरी, 1985 तथा भारत सरकार के कल्याण मन्त्रालय की प्रधिसूचना संख्या-का.प्रा. 198(अ) तारीख 17 अप्रैल, 1986 संख्या-का.प्रा. 386(अ), तारीख 14 अप्रैल, 1987, संख्या-का.प्रा. 782(अ), तारीख 19 अगस्त, 1987, संख्या-का.प्रा. 213(अ), तारीख 26 फरवरी, 1988, संख्या-का.प्रा. 813(अ), तारीख 29 अगस्त, 1988, संख्या-का.प्रा. 286(अ), तारीख 19 अप्रैल, 1989, संख्या-का.प्रा. 274(अ), तारीख 30 मार्च, 1990 और का.प्रा. 304(अ), तारीख 30 अप्रैल, 1991 में विनादिल्ट है, एक नवंबर, 1991 से 31 अक्टूबर, 1992 तक की और अवधि के बिंदु बद्दी है।

[संख्या-4(1)/90-वक्फ]
भारत के राष्ट्रपति के आवेदन में और उनके नाम में,
एम. एम. पंडित,
संयुक्त मंत्रिय

MINISTRY OF WELFARE
NOTIFICATION

New Delhi, the 1st November, 1991

S.O. 748(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 64 of the Wakf Act, 1954 (29 of 1954) (hereinafter referred to as the said Act) read with notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department) No. S.O. 247 dated the 30th December, 1975 published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 17th January, 1976, the Central Government hereby extends the period of supersession of the Punjab Wakf Board, spceified in the notifications of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department) No. S.O. 796(E) dated the 11th November, 1981, No. S.O. 68(E) dated the 9th February, 1982 No. S.O. 105(E) dated 9th February, 1983, No. S.O. 64(E) dated the 2nd February, 1984 and No. S.O. 95(E) dated the 5th February, 1985 and the notifications of the Government of India in the Ministry of Welfare No. S.O. 198(E) dated the 17th April, 1986, No. S.O. 386(E) dated the 14th April, 1987, No. S.O. 782(E) dated the 19th August, 1987, No. S.O. 213(E) dated the 26th February, 1988, No. S.O. 813(E) dated 29th August, 1988, No. S.O. 286(E) dated the 19th April, 1989, No. S.O. 274(E) dated the 30th March, 1990, and No. S.O. 304(E) dated the 30th April, 1991 by a further period on and from the 1st day of November, 1991 to the 31st day of October, 1992.

[No. 4(1)/90-Wakf]
By Order and in the name of the President of India,
M. S. PANDIT, Jt. Secy.